CIRRUS

नवभारत टाइम्स

CIRRUS

Copyright © 2014 Bennett Coleman & Co. Ltd. All rights reserved.

Mon, 15 Jul-13; Nav Bharat Times - Delhi; Size : 138 sq.cm.;
Circulation:669948; Page : 7

डायबिटीज की सस्ती दवा पर लगा बैन हटेगा

राहुल आनंद ॥ नई दिल्ली

एंटी डायबिटीज मेडिसिन पायोग्लीटाजोन पर लगा बैन हट सकता है। भारत सरकार इस दवा पर बैन वापस लेने की तैयारी कर रही है। हेल्थ मिनिस्ट्री के हेल्थ डिपार्टमेंट के साथ देशभर के एक दर्जन से अधिक डॉक्टरों की बैठक के बाद बैन हटने की उम्मीद बढ़ गई है। सूत्रों की मानें तो सरकार इस पर फैसला जल्द ले सकती है। बैठक में शामिल अधिकतर डॉक्टरों ने बैन को गलत करार दिया और कहा कि इस दवा का अल्टरनेट अभी बाजार में उपलब्ध नहीं है। जो दवा है वह काफी महंगी है, जो देश के 30 लाख से अधिक डायबिटीज के पेशंट की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। हाल ही में हेल्थ मिनिस्ट्री ने इस दवा के साइड इफेक्ट की बात कहते हुए बैन लगा दिया था।

पियोग्लीटाजोन पर बैन वापस लेने की तैयारी

दिल्ली डायबिटिक असोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. ए. के. झिंगन का कहना है कि सरकार अगर इस संबंध में कोई फैसला करती है तो इसे अच्छा कदम कहा जा सकता है, लेकिन बिना किसी ठोस रिसर्च और सबूत के किसी भी दवा पर बैन का सीधा असर पेशंट पर पड़ता है। इस दवा पर बैन से पेशंट काफी परेशान हैं।

पेशंट को लगता है कि कहीं वह गलत दवा तो नहीं खा रहे थे। इससे उन्हें कोई बीमारी तो नहीं हो जाएगी। डायबिटीज पेशंट के लिए बहुत ही कारगर इस दवा के प्रति लोगों में गलत मेसेज पहुंच गया है। अब फिर से जब यह बाजार में आएगा तो लोगों को काउंसिलिंग की जरूरत पड़ेगी। अब फिर हम उन्हें यही दवा लेने कहेंगे तो निश्चित रूप से डॉक्टर-पेशंट का रिश्तों पर इफेक्ट पड़ेगा।

फोर्टिस अस्पताल के सीडीओसी के चेयरमैन डॉ. अनूप मिश्रा ने भी बैन की वापसी की बात की सराहना की है। उनका कहना है कि अगर इस दवा के डोज को कंट्रोल में रखकर उपयोग किया जाए तो भारतीय पेशंट के लिए काफी कारगर मेडिसिन है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि इस दवा पर बैन किसी खास दबाव से लिया गया था। भारतीय पेशंट पर इस दवा के साइड इफेक्ट की कोई स्टडी नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों की मानें तो इस दवा के प्रयोग के बारे में वॉर्निंग के साथ बाजार में उतारने की तैयारी है। इसके वॉर्निंग में दवा के डोज पर कंट्रोल की बात कही गई है। अगर इस दवा का डोज आधा कर दिया जाए तो इसके साइड इफेक्ट की संभावना काफी कम हो जाती है। जल्द ही ड्रग्स टेक्निकल एडवाजरी बोर्ड इस बैन को वापसी लेने का फैसला सुना सकती है।